

प्रेषक,

डा० रणबीर सिंह,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
पशुपालन विभाग,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

पशुपालन अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक ०७ जनवरी, 2014

विषय: भारत सरकार से अवमुक्त धनराशि के उपयोग हेतु पुनर्विनियोग प्रस्ताव।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-3130/नि०-5/एक(27)/चारा कार्यक्रम/13-14 दिनांक 30 सितम्बर, 2013 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय वर्ष 2013-14 में आयोजनागत योजना के अन्तर्गत कुल ₹ 150.04 लाख (₹ एक करोड़ पचास लाख चार हजार मात्र) की धनराशि की वित्तीय स्वीकृति पुनर्विनियोग के माध्यम से संलग्न-बी०एम० 9 के अनुसार निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- (1) धनराशि को व्यय किये जाने से पूर्व जहां कहीं आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा शासन द्वारा समय-समय पर जारी किये गये मितव्ययता संबंधी निर्देशों का पालन अवश्य किया जाय। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- (2) बजट मैनुअल में निर्धारित प्रक्रिया के अधीन कोषागार द्वारा प्रमाणित बाउचर संख्या एवं दिनांक के आधार पर अंकित बजट की सीमा पर प्रतिमाह 5 तारीख तक प्रपत्र बी०एम० 5 पर आहरण एवं वितरण अधिकारी पूर्व माह की सूचना विभागाध्यक्ष को प्रपत्र बी०एम० 8 के माध्यम से वित्त विभाग को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जाय।
- (3) इस संबंध में स्पष्ट किया जाता है कि अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत रूप से व्यय न किया जाय। धनराशि का व्यय वित्त हस्तपुस्तिका में उल्लिखित नियमों, क्रय संबंधी शासनादेशों का पालन कर किया जाय। धनराशि का व्यय एवं आहरण आवश्यकतानुसार ही किया जाय।
- (4) धनराशि का व्यय करते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका में दिये गये प्राविधानों का तथा क्रय संबंधी शासनादेशों में दी गई व्यवस्था व स्टोर परचेज नियमावली का पालन किया जाय।

2. उक्त धनराशि का व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2013-14 में अनुदान संख्या-28 के लेखाशीर्षक-2403-पशुपालन आयोजनागत-00-101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनाएं-06-पशु रोगों पर नियंत्रण हेतु राज्यों को सहायता (75 प्र०के०स०)-42-अन्य व्यय एवं 2403-पशुपालन आयोजनागत-00-107-चारा एवं चारागाह विकास-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनाएं-06-चारा विकास कार्यक्रम के क्रियान्वयन हेतु राज्य को सहायता 42-अन्य व्यय के नामे डाला जायेगा तथा संलग्नक-बी०एम०-9 के कॉलम संख्या-1 में दर्शायी गई मदों की बचतों से वहन किया जायेगा।

3. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-106(P)/XXVII-4/2013 दिनांक 28 नवम्बर, 2013 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक-उक्तानुसार बी०एम०-9

भवदीय,

(डा० रणबीर सिंह)
प्रमुख सचिव

संख्या: 35 (1) / XV-1/2014 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :

1. महालेखाकार उत्तराखण्ड।
2. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कुमायूँ मण्डल नैनीताल।
3. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
4. समस्त मुख्य पशुचिकित्साधिकारी, उत्तराखण्ड।
5. बजट राजकोषीय नियोजन तथा संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादून।
6. राज्य योजना आयोग, उत्तराखण्ड।
7. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय देहरादून।
8. वित्त अनुभाग-1/नियोजन अनुभाग।
9. मीडिया सेन्टर, उत्तराखण्ड सचिवालय।
10. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(डी०एम०एस० शर्मा)
अनु सचिव

अनुदान संख्या व नाम- 30

लेखाशीर्षक

मुख्य शीर्षक-2403-पशुपालन आयोजनागत

उप मुख्य शीर्षक-00

लघु शीर्षक-107-चारा और चारागाह विकास-

उप शीर्षक-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनाएं-

विस्तृत शीर्षक-0102-चैफकटर वितरण की योजना (75 प्र.के.स.)

प्रपत्र बी0एम0-9 (भाग-एक)
पुनर्विनियोग की स्वीकृति हेतु आवेदन
पशुपालन विभाग

वित्तीय वर्ष 2013-14

(धनराशि ₹ हजार में)

निम्नलिखित निधियों से प्रस्तावित अंतरण						निम्नलिखित निधियों को प्रस्तावित अंतरण					
लेख का शीर्षक (15 अंकीय कूट में आयोजनागत/ आयोजनेत्तर)	आवेदन की तिथि पर उपलब्ध अनुदान/ विनियोग	आवेदन की तिथि पर उपलब्ध बाकी राशि	वित्त विभाग द्वारा स्वीकृत अंतरण हेतु राशि	अंतरण के पश्चात अवशेष अनुदान/ विनियोग (2-5)	लेख का शीर्षक (15 अंकीय कूट में आयोजनागत/ आयोजनेत्तर)	वित्तीय वर्ष हेतु उपलब्ध अनुदान/ विनियोग	वर्ष के दौरान प्रत्याशित कुल व्यय	अंतरण हेतु प्रस्तावित धनराशि	वित्त विभाग द्वारा स्वीकृत अंतरण हेतु धनराशि	अंतरण के पश्चात उपलब्ध अनुदान/ विनियोग (8+11)	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
2403-पशुपालन आयोजनागत-00-107-चारा एवं चारागाह विकास-01-केन्द्रीय आयोजनागत/ केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनाएं-0102-चैफकटर वितरण की योजना (75 प्र.के.स.) 42-अन्य व्यय	3000	3000	3000	3000	—	2403-पशुपालन आयोजनागत-00-101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-01-केन्द्रीय आयोजनागत/ केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनाएं-0106पशु सेवा पर नियंत्रण हेतु राज्य को सहायता (75 प्र.के.स.) 42-अन्य व्यय	5000	5686	686	686	5686
	3000	3000	3000	3000	—	2403-पशुपालन आयोजनागत-00-107-चारा एवं चारागाह विकास-01-केन्द्रीय आयोजनागत/ केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनाएं-03-चारा विकास कार्यक्रम का क्रियान्वयन 42-अन्य व्यय	2295	4609	2314	2314	4609
योग	3000	3000	3000	3000	—	योग	7295	10295	3000	3000	10295

प्रमाणित किया जाता है कि पैरा 133 व 134 में निधारित शर्तों सीमाओं का इस पुनर्विनियोग में उल्लंघन नहीं किया गया है।
संख्या :-
दिनांक

सेवा में,

महालेखाकार (ए एण्ड डी)

उत्तराखण्ड, देहरादून।

हस्ताक्षर
नाम व पदनाम :-
प्रशासनिक विभाग :-
संख्या : 36/स्व/11/दिनांक 7/11/2014

निम्नलिखित को सूचनाएं एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित:-

1. निदेशक, पशुपालन, उत्तराखण्ड देहरादून।
2. निदेशक कोषागार 23, लक्ष्मी रोड, जालनवाला, देहरादून।
3. समस्त मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
4. वित्त (व्यय नियन्त्रक) अनुभाग-4

हस्ताक्षर
नाम व पदनाम
वित्त विभाग

हस्ताक्षर
नाम व पदनाम
उत्तराखण्ड, देहरादून
उपनिर्देशक, वित्त